

To Clean the Holy River

687. Smt. Renu Bala, M.L.A.: Will the Chief Minister be pleased to state—

- (a) whether there is any scheme under consideration of the Government to clean the holy river Maharishi Markandeshwar on the pattern of other religious and holy rivers; and
- (b) if so, the time by which the abovesaid scheme is likely to be implemented ?

Sh. Manohar Lal, Chief Minister, Haryana

- (a) No, Sir.
- (b) This part of the question, therefore, does not arise.

Additional Information
Unstarred Assembly Question no. 687

The Markanda river (a tributary of river Ghaggar) originates in the Shivalik hills on the border of Himachal Pradesh and Haryana border i.e. in Sirmour district of Himachal Pradesh and passes through Haryana state, flowing in Ambala district and Shahabad Markanda town in Kurukshetra district before meeting with Ghaggar river at the confluence in district Kaithal after travelling a distance of around 90 Km. The Markanda river's ancient name was Aruna. The Shahabad Markanda town lies on the banks of the river Markanda in Haryana. The river derives its name from Maharishi Markandeya as well and several ancient ashramas of Rishi Markandeya can be seen along the banks of the river in the neighboring districts. The Markanda river is an seasonal/non perennial river in Haryana state, which flows only during the monsoon season.

In Kurukshetra District, the waste water of villages Madanpur, Jhansa and Rohti is discharged into Markanda river. Several notices have been issued to the Panchayats of above villages for stopping draining the waste water into Markanda river. The report regarding the same is also shared with Pollution Control Board/NGT on monthly basis. Sometimes during festivals, religious waste etc. is discharged into Markanda river and after the end of festival duration, the concerned Panchayats clear all waste. The paper production industrial units which were discharging their industrial waste into Markanda/Saraswati river have been either closed or are now discharging treated effluent.

In this context it is further brought out that Ghaggar Action Plan has been prepared on 31.01.2019 on the directions of NGT. The objective/goal of the action plan is that the quality of Ghaggar river water should meet with the required values of BOD, Dissolved Oxygen and Faecal Coliform. As the Markanda river joins Ghaggar river and as per Ghaggar Action Plan, the efforts are that no effluent is to be discharged in river Ghaggar, thus this action will lead to cleaning of Markanda river as far as discharge of effluent/waste water of villages etc. is concerned.

पवित्र नदी की सफाई

687. श्रीमती रेनू बाला, एम. एल. ए.: क्या मुख्यमंत्री कृपया बताएं—

- (क) क्या पवित्र नदी महर्षि मारकण्डेश्वर को अन्य धार्मिक तथा पवित्र नदियों की तर्ज पर साफ करने की कोई योजना सरकार के विचाराधीन है; तथा
- (ख) यदि हां, तो उपरोक्त योजना के कब तक क्रियान्वित किए जाने की संभावना है ?

श्री मनोहर लाल, माननीय मुख्यमंत्री, हरियाणा

- (क) नहीं श्रीमान जी।
- (ख) अतः प्रश्न के इस भाग के जवाब की आवश्यकता नहीं है।

अतिरिक्त सूचना
अतारांकित विधानसभा प्रश्न संख्या 687

मारकंडा नदी, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा राज्यों में बहने वाली एक नदी है। यह घग्गर नदी की एक उपनदी है। मारकंडा नदी हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में उत्पन्न होती है, फिर हरियाणा राज्य के अम्बाला जिले और कुरुक्षेत्र जिले के शाहाबाद मारकंडा शहर से गुजरते हुए लगभग 90 किमी की दूरी तय करने के बाद कैथल जिले में घग्गर नदी में समाहित हो जाती है। मारकंडा नदी का प्राचीन नाम अरुणा था। हरियाणा में मारकंडा नदी के तट पर शाहाबाद मारकंडा शहर स्थित है। नदी का नाम महर्षि मार्कंडेय के नाम पर पड़ा है और ऋषि मार्कंडेय के कई प्राचीन आश्रम आस-पास के जिलों में नदी के किनारे देखे जा सकते हैं। मारकंडा नदी हरियाणा राज्य में एक मौसमी/गैर-बारहमासी नदी है, जो केवल मानसून के मौसम में बहती है।

कुरुक्षेत्र जिले में मदनपुर, झांसा और रोहती गांवों का गंदा पानी मारकंडा नदी में छोड़ा जाता है। मारकंडा नदी में गंदा पानी डालने से रोकने के लिए उक्त गांवों की पंचायतों को कई नोटिस जारी किए गए हैं। इसके बारे में रिपोर्ट मासिक आधार पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड/एनजीटी के साथ भी साझा की जाती है। कभी-कभी त्योहारों के दौरान, धार्मिक अपशिष्ट आदि को मारकंडा नदी में बहा दिया जाता है और त्योहार की अवधि समाप्त होने के बाद, संबंधित पंचायतें सभी कचरे को साफ कर देती हैं। कागज उत्पादन औद्योगिक इकाइयां जो अपने औद्योगिक कचरे को मारकंडा सरस्वती नदी में बहा रही थीं या तो बंद कर दी गई हैं या अब उपचारित अपशिष्ट का निर्वहन कर रही हैं।

इस संदर्भ में आगे यह भी बताया जाता है कि एनजीटी के निर्देश पर दिनांक 31.01.2019 को घग्गर एक्शन प्लान तैयार किया गया है जिसका उद्देश्य यह है कि घग्गर नदी के पानी की गुणवत्ता बीओडी, घुलित ऑक्सीजन और मलीय कोलीफॉर्म आवश्यक मानकों के अनुरूप होना चाहिए। जैसे कि मारकंडा नदी, घग्गर नदी में मिलती है और घग्गर एक्शन प्लान के अनुसार प्रयास यह है कि मारकंडा नदी में कोई अपशिष्ट न बहाया जाए, जिससे लक्ष्य को प्राप्त करने में आसानी रहे।